

जिंदगी की हर सुबह कुछ शरतें लेकर आती है, और जिंदगी की हर शाम कुछ तजुर्बे देकर जाती है

"आमजन का अखबार" "जन-जन के विचार"

हर पल अपडेट के लिए Login करें : www.garibonkasitara.com

हमारा ध्येय : निष्पक्ष, निरंतर, निर्भय

वर्ष: 18

अंक: 21

पेज: 8

मूल्य 01 रु.

जयपुर, शनिवार 19 अगस्त, 2023

Email: garibonkasitara@gmail.com

सीएम गहलोत बोले- अब घोषणाओं की जगह आगे की गारंटी दूंगा

कहा- सरकार बनने पर अब दी हुई गारंटी पूरी करेंगे, 20 अगस्त से कार्ड बांटेंगे

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि मैंने घोषणाएं करने में कमी नहीं रखी है। मैंने कहा था आप मांगते-मांगते थक जाओगे, मैं देते-देते नहीं थकूंगा। अब चुनाव आने वाले हैं। चुनाव में घोषणाएं तो कर नहीं सकेंगे। इसलिए सोच रहा हूँ, अब मैं घोषणाएं करने की जगह गारंटी के लिए गारंटी देना शुरू कर दूँ। सरकार बनते ही आपको दी हुई गारंटी को पूरा करूंगा। गहलोत जयपुर में राजीविका सखी सम्मेलन में बोल रहे थे। गहलोत ने कहा- हम एक करोड़ महिलाओं को आगे प्री स्मार्टफोन देने के लिए गारंटी कार्ड देने जा रहे हैं। 20 अगस्त से गारंटी कार्ड बांटने की शुरुआत करने जा रहे हैं। गारंटी कार्ड देने वाली महिलाओं को आगे प्री स्मार्टफोन मिलेंगे। महंगाई



राहत कैपों के जरिए भी 10 तरह की गारंटी दी गई है। आगे भी हम गारंटी देंगे। सरकार ने फैसले करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। राजस्थान का विकास हो रहा है। महिलाओं के लिए एक से बढ़कर एक स्कीम दे रहे हैं। महिलाएं भी हर क्षेत्र में

आगे बढ़ रही हैं। जिस प्रकार से हमारे प्रदेश की महिलाओं ने आगे आकर अपनी क्षमता का परिचय दिया है। वह मिसाल है। गहलोत ने कहा- राजीविका में महिलाओं ने अच्छा काम किया है। मुझे बताया गया है कि महिलाएं

मीटिंग में आती हैं। धीरे-धीरे घुंट घुंट अपने आप ऊपर हो जाता है, होना भी चाहिए। जब पहली बार पंचायत चुनाव हुए, महिलाएं गांव में सरपंच बननीं तो सरपंच बनने के बाद उनके पति सारा काम संभालते थे। गहलोत ने कहा- पहली बार

जब सरपंचों के चुनाव हुए तो महिला सरपंच के पति साथ आते थे। मीटिंग में बैठते थे। सरपंच बनीं पत्नी तो घुंट घुंट में ही नीचे बैठती थीं और सरपंच पति हमारे साथ ऊपर आकर बैठते थे। कई बार मीटिंग में पड़ते थे कि आप सरपंच नहीं हो, आपकी पत्नी सरपंच है। आप ऊपर जाकर कैसे बैठ गए तो कहते थे कि मैं सरपंच पति हूँ। मैं कहता था कि सरपंच पति, प्रधान पति, प्रमुख पति नहीं पोस्ट फिफ्ट कर दी आप लोगों ने। अब हालात बदल गए हैं। धीरे-धीरे महिलाओं में जागरूकता आई और सरपंच, प्रधान, प्रमुख बनीं महिलाओं ने पति से कहना शुरू कर दिया कि हम काम संभाल लेंगी। आप घर जाकर बैठिए। इतना अंतर आया है। हमारे संस्कार अच्छे हैं, महिला पुरुष से पूछे बिना काम नहीं करती।

गहलोत ने कहा- हमारे समाज में पुरुषों का वर्चस्व रहा है। हमारे संस्कार अच्छे हैं कि बिना पुरुष को पूछे हुए महिला काम नहीं करती। अब धीरे-धीरे महिलाएं अपने अधिकारों को समझ गई हैं। महिलाओं को संविधान में अधिकार दिया है। महिलाएं अब अपने संवैधानिक अधिकारों को उपयोग में ले रही हैं। 2030 तक विकसित राजस्थान बनाने में सुझाव दें महिलाएं: गहलोत ने कहा- हम 2030 तक विकसित राजस्थान बनाने के लिए विजन-2030 के तहत जनता से सुझाव ले रहे हैं। महिलाएं भी विजन 2030 में अपने सुझाव दें। 2030 तक क्या करना चाहिए, प्रदेश को किस तरह विकसित करना है, उस पर अपने सुझाव दीजिए।

महिला मोर्चा की अध्यक्ष बोली- सीएम नाकामियाबी छिपाने चाहते हैं इसलिए पुलिस ने नहीं करने दिया प्रदर्शन, सीएम रूट के चलते नहीं मिली प्रदर्शन की अनुमति

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। जयपुर में दो नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म व प्रदेश लगातार दर्ज हो रही दुष्कर्म की घटनाओं को लेकर आज भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने गांधी सर्किल पर मानव श्रृंखला बनाकर प्रदर्शन करने का एलान किया था। लेकिन उसी समय सीएम का रूट लगने से पुलिस ने महिला कार्यकर्ताओं को गांधी सर्किल पर नहीं जाने दिया। इसके कारण पुलिस व महिला कार्यकर्ताओं में काफी देर तक नोकझोंक भी होती रही। लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया। इस पर महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रक्षा भंडारी ने कहा कि सीएम अशोक गहलोत अपनी नाकामियाबी छिपाने



चाहते हैं। इसलिए पुलिस ने उन्हें प्रदर्शन नहीं करने दिया। पुलिस ने कार्यकर्ताओं के आगे खड़ी की बस: महिला मोर्चा की कार्यकर्ता तय समय पर जेएलएन मार्ग पर गांधी सर्किल पर पहुंच गई थी। लेकिन उसी समय सीएम का रूट लगने से पुलिस ने महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं को गांधी सर्किल

पर जाने की अनुमति नहीं दी। पुलिस ने महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं को युनिवर्सिटी गेट हाउस के कॉर्नर पर रोक दिया। वहीं रस्सा लगाकर उन्हें आगे नहीं जाने की हिदायत दी। इसके बाद पुलिस ने महिला कार्यकर्ताओं के आगे पुलिस बस खड़ी कर दी। जिससे जब जीएम का कारेकेट निकले तो वे उन्हें नहीं देख सके।

हाई कोर्ट ने सरकार पर लगाया 25 हजार का जुमाना

9 साल बाद भी अदालती आदेश की पालना नहीं होने पर जताया आश्चर्य, सरकार ने पालना के लिए 3 दिन मांगे



सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान हाई कोर्ट ने 9 साल में भी अदालती आदेश की पालना नहीं होने पर राज्य सरकार पर 25 हजार रुपए का जुमाना लगाया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की अदालत ने पूरे मामले में नाराजगी जताते हुए कहा कि बड़े आदेश व दुख की बात है कि सरकार ने 9 साल बाद भी अदालती आदेश की पालना नहीं की गई। कोर्ट ने सरकार के आग्रह पर आदेश की पालना के लिए तीन दिन का समय दिया है। साथ ही कोर्ट ने कहा है कि अगर तीन दिन में भी आदेश की पालना नहीं होती है तो 23 अगस्त को सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग व्यक्तिगत रूप से पेश होकर कोर्ट को बताए कि आखिर आदेश की पालना में देरी क्यों हुई। कोर्ट ने यह आदेश श्याम सुंदर शर्मा की अवमानना याचिका पर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश करने वाले अधिवक्ता दिवेश शर्मा ने बताया कि कोर्ट ने अपने आदेश में राज्य सरकार को यह छूट दी है कि वह जुमाना राशि उस अधिकारी से वसूल कर सकती है। जिसकी वजह से अदालती आदेश की पालना अभी तक नहीं हुई।

गहलोत खुद छात्रसंघ चुनाव हारे थे, इसलिए किए रद्द

बेनीवाल बोले- छात्र राजनीति को आगे नहीं बढ़ने देना चाहते



सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव रद्द करने के फैसले का लगातार विरोध बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संयोजक और सांसद हनुमान बेनीवाल राजस्थान युनिवर्सिटी पहुंचे। जहां उन्होंने कांग्रेस सरकार के साथ बीजेपी नेताओं पर निशाना साधा। बेनीवाल ने कहा- राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मुख्यमंत्री तो बन गए। वह खुद युनिवर्सिटी का चुनाव हार गए थे। यही वजह है कि वह छात्र राजनीति को आगे नहीं बढ़ने देना चाहते। इसलिए उन्होंने चुनाव रद्द करने का फैसला किया। बेनीवाल ने कहा- भले ही गहलोत साहब मेरी इस बात से नाराज हो जाएं कि 40 साल पुरानी बातों का जिक्र क्यों कर रहा हूँ। यह हकीकत है कि वह छात्र राजनीति में फेल हो गए थे। इसी वजह से उन्हें छात्रसंघ चुनाव से तकलीफ हो रही है। जबकि बीजेपी के नेता भी चुपचाप बैठकर सत्ता का सुख भोगने का इंतजार कर रहे हैं। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी छात्रसंघ चुनाव के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन करेंगी। आज सबसे पहले छात्रों

का प्रतिनिधिमंडल सरकार से मिलेगा। अगर उसमें कोई सकारात्मक फैसला नहीं हुआ। कल से हम प्रदेश भर में आंदोलन की शुरुआत करेंगे। राजस्थान युनिवर्सिटी में पिछले 6 दिन से चल रहे छात्रों के धरने में पहुंचे सांसद बेनीवाल ने कहा- राजस्थान सरकार ने विश्वविद्यालय की स्वायत्तता को कम करने के साथ ही छात्रसंघ पदाधिकारियों को भी कमजोर किया है। क्योंकि सरकार में बैठे मंत्री, विधायकों और सांसदों को उनसे चिड़ मचती है। उन लोगों को डर लगता है। कहीं युनिवर्सिटी से आया नेता उनकी राजनीति खतरे में नहीं डाल दे। क्योंकि जो नेता छात्र राजनीति से आते हैं। वह आम नेताओं के मुकाबले ज्यादा निर्भीक, निष्पक्ष और मजबूत होते हैं। कुछ ऐसे नेता भी होते हैं। जिन्हें छात्र नेताओं से जलन होती है। यह वह लोग होते हैं, जो छात्रसंघ चुनाव हारे हुए हैं। बाद में बड़े राजनीतिक पद पर बैठें हैं। जैसे अशोक गहलोत हैं। सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा- जब मैं छात्र राजनीति में सक्रिय था। तब साल 1998 में सरकार ने छात्रसंघ चुनाव बंद करने का फरमान जारी कर दिया था। उस वक्त मेरे से जो चुनाव हारे थे।

राजस्थान आवासन मंडल की सीधी भर्ती परीक्षा-2023

भारी मांग को देखते : आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त तक बढ़ाई

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल में सीधी भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन की तिथि 21 अगस्त तक बढ़ा दी है। पूर्व में आवेदन की तिथि 18 अगस्त थी। सचिव अल्पा चौधरी ने कहा कि मंडल में विभिन्न 258 पदों के लिए होने वाली सीधी भर्ती परीक्षा-2023 की तिथि में 3 दिवस की बढ़ाव दी गई है। उन्होंने कहा मंडल का उद्देश्य अधिक से अधिक योग्य अभ्यर्थियों का परीक्षा के लिए आवेदन करवाना है। चौधरी ने कहा कि सेंटर फॉर डवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्यूनिटी (सी-डैक, भारत सरकार के सुचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की स्वायत्तशासी संस्था) के माध्यम से सीधी भर्ती परीक्षा आयोजित

21 अगस्त रात 12 बजे तक कर सकते हैं आवेदन

चौधरी ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया 19 जुलाई से प्रारंभ हो गई थी। आवेदन 21 अगस्त की रात 12 बजे तक विभिन्न पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन वेबपोर्टल या आवासन मंडल की वेबसाइट के जरिए भी आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्गदर्शन/सूचना के लिए हैल्पलाइन (प्रातः 10 से सायं 7 बजे तक) 9363322818/0141-2740064 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है। को जा रही है। पूर्णतया ऑनलाइन होने वाली इस परीक्षा में किसी भी तरह की ओएमआर शीट का उपयोग नहीं किया जाएगा। राजस्थान आवासन मंडल निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा संपादित कराने के लिए संकल्पित और कटिबद्ध है। सचिव ने बताया कि सीधी भर्ती परीक्षा के सुचारु और सफल

संचालन के लिए मंडल सचिव सहित 9 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है, जो की परीक्षा से जुड़ी तमाम कार्यवाही और घटनाक्रम पर कड़ी और पैनी नजर रखेगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा एंजेंसी भी पूरी तरह मुस्तेद और सजग रहेगी।

अमेठी से चुनाव लड़ेंगे राहुल गांधी

UP के कांग्रेस अध्यक्ष बनते ही अजय राय का दावा, कहा- प्रियंका चाहें तो वाराणसी से लड़ें



वाराणसी। यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने दावा किया है कि राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। इसके साथ ही उन्होंने प्रियंका गांधी से वाराणसी से चुनाव लड़ने की गुजारिश की है। राय ने गुरुवार को ही पार्टी अध्यक्ष का पद संभाला है। उन्होंने ये बातें वाराणसी में कहीं। राय ने कहा- मैं राहुल गांधी का सिपाही हूँ। अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस डके की चोट पर जीतेगी। राहुल गांधी का संदेश घर-घर पहुंचाया जाएगा। एयरपोर्ट पर जुटे हजारों लोगों ने उनका स्वागत किया। जुलूस निकालकर नरिबाजी की ओर कांग्रेस का झंडा लहराया। एयरपोर्ट से निकलते ही अजय राय ने कहा, "अमेठी से आएं सेकेंडों लोग राहुल गांधी की लोकप्रियता के गवाह हैं। अमेठी से सांसद स्मृति ईरानी पर तर्ज कसते हुए कहा कि वह 13 रुपए में चीनी दिला रही थीं। अब 13 रुपए वाली चीनी कहाँ है?" अजय राय ने कहा, "प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर जमीनी

कार्यकर्ताओं को महत्व देना, संगठन को क्रियाशील बनाना, दलितों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और मध्यम वर्ग के लोगों को कांग्रेस से जोड़ना मेरा मुख्य लक्ष्य होगा। मेरा पहला लक्ष्य संगठन और लोकसभा चुनाव में पार्टी की शानदार वापसी को सुनिश्चित करना है।" राहुल गांधी का सिपाही हूँ, पूरे प्रण से लंगूंगा: अजय राय ने कहा, "मैं राहुल गांधी का सिपाही हूँ। शीघ्र नेतृत्व की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। कांग्रेस मेरे लिए सिर्फ पार्टी ही नहीं बल्कि मां के समान है। मैं पूरे प्रण और प्राण के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करूंगा।"

मूसेवाला के मर्डर की अयोध्या में प्रैक्टिस हुई थी: एक नेता के फार्म हाउस में रुके थे लॉरेंस गैंग के शूटर

सितारा न्यूज नेटवर्क

अमृतसर। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या में शामिल लॉरेंस गैंग के शूटर यूपी के अयोध्या में इकट्ठे हुए थे। अयोध्या में ये लोग एक नेता के फार्म हाउस में रहे और वहीं पर हथियार चलाने की प्रैक्टिस की। गैंग ने मूसेवाला के मर्डर की पूरी प्लानिंग यूपी के अयोध्या में ही की। अजरबैजान से गिरफ्तार कर-के वापस इंडिया लाए गए लॉरेंस के भांजे सचिन थापन ने दिल्ली

पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों की पूछताछ में इसका खुलासा किया। जांच में पुलिस को कुछ



फोटो भी मिली हैं, जिनमें सचिन थापन के साथ लॉरेंस के दो प्रमुख शूटर सचिन भिवाणी और कपिल पंडित भी नजर आ रहे हैं।

यह पेज मंडल आयुक्त की कार्यशैली को समर्पित...

विदाई तो है दस्तूर जमाने का पुराना, पर जहां भी जाना अपनी छाप कुछ ऐसे छोड़ जाना की, हर कोई गुनगुनाएं 'तुम्हारा ही तराना'

आप जैसा सज्जन कहीं नहीं है, आपके जैसा सरल मन कहीं नहीं है, आपको हम विदा कर दें मगर, सीनियर जैसा धन कहीं नहीं है : मंडल स्टाफ



आवासन आयुक्त विदाई कार्यक्रम

सितारा न्यूज नेटवर्क
स्पेशल ब्यूरोक्रेसी
स्वर्बरे
सितारा न्यूज नेटवर्क

नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री शांति कुमार धारीवाल ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड के कायाकल्प का श्रेय आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा को जाता है। अरोड़ा ही वह करामाती व्यक्ति हैं, जो असंभव को भी संभव करने की ताकत रखते हैं। उन्होंने कहा कि मैं इनकी विदाई पर भावुक हूँ और दुखी भी, लेकिन इनके सुखद भविष्य की कामना करता हूँ। मंत्री धारीवाल शुक्रवार को आवासन मंडल के मुख्यालय आवास भवन में आयुक्त पवन अरोड़ा के भव्य विदाई समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले 4 वर्षों में हुए काम कई दशकों में भी नहीं हो पाए थे।



अरोड़ा ही वह करामाती अधिकारी, जो असंभव को भी संभव करने की रखते हैं ताकत

सितारा न्यूज नेटवर्क

जयपुर। अरोड़ा करामाती शख्सियत हैं। उन्होंने कहा कि जिन 3 अधिकारियों से मैं सबसे ज्यादा प्रभावित रहा हूँ और जिन्होंने नगरीय विकास को एक नई दिशा दी उनमें आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा भी एक हैं। धारीवाल ने कहा कि अरोड़ा ने 1998 में 'ऑपरेशन पिंक' के दौरान जयपुर के बरामदे खाली करने में प्रभावी भूमिका निभाई थी। इन अधिकारियों की कार्यशैली से अन्य अधिकारी भी प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने कहा कि अरोड़ा ने आवासन मंडल के पारंपरिक काम के साथ लीक से हटकर कोचिंग हब, चौपाटी, सिटी पार्क का निर्माण कराया। आज ये निर्माण न केवल प्रदेश बल्कि देशभर में चर्चित हैं। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने भावुक होते हुए कहा कि आज जिस मुकाम पर हम हैं। उसका पूरा श्रेय मैं टीम को देता हूँ। यह मेरी नहीं बल्कि संस्थान और पूरी टीम की उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि जीवन आगे बढ़ते रहने का नाम है। आप सबने मेरा सहयोग किया, मैं हर समय आप सबके लिए तत्पर तैयार मिला। आवासन भवन के मुख्यालय आवास भवन में हुए भव्य विदाई समारोह में शामिल ज्यादातर लोगों की आंखें नम थीं। हर कोई आयुक्त की कार्यशैली, अनुशासन, मिलनसारिता और समयबद्धता की तारीफ करता नजर आया। आयुक्त पवन अरोड़ा को मंडल के अधिकारी और कार्मिकों ने भीगी पलकों से भावभीनी विदाई देते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।



विजनीरी लीडर और लकी चार्म हैं अरोड़ा

राजस्थान हाउसिंग बोर्ड कर्मचारी संघ के अध्यक्ष दशरथ सिंह ने कहा कि मंडल के इतिहास में ऐसा कर्मचारी हित और मंडल हित में सोचने वाला अधिकारी कभी नहीं आया। उन्होंने सदैव कर्मचारी हितों को प्राथमिकता दी। इन्हीं के शासन में मंडल ने 118 करोड़ से हजारों करोड़ तक पहुंचाया। इन्हीं के प्रयासों से 34 साल बाद मंडल में भर्ती की प्रक्रिया शुरू हुई। उन्होंने कहा कि अरोड़ा मंडल के लिए विजनीरी लीडर और लकी चार्म साबित हुए।



डेडबॉडी में भी जान डालने की कुव्वत

सचिव अल्पा चौधरी ने कहा कि आयुक्त महोदय ने वह जील और पावर है कि वे डेड बॉडी में भी जान डाल सकते हैं। उन्होंने लगभग मृतप्राय पड़े बोर्ड को पुनर्जीवित कर यह साबित कर दिया कि बेहतर लीडरशिप हो तो कुछ भी काम संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हाउसिंग बोर्ड के उन अधिकारियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीन दर्जन से ज्यादा पुरस्कार दिए गए जिन्हें पिछली सरकार में लोग नकारा कहा करते थे।

चीफ इंजीनियर से लेकर चीफ आर्किटेक्ट तक रहे आयुक्त

मुख्य अभियंता प्रथम अमित अग्रवाल ने कहा कि विभिन्न योजनाओं की डिजाइन और प्लानिंग में आयुक्त इतनी दिलचस्पी रखते हैं कि चीफ इंजीनियर से लेकर चीफ आर्किटेक्ट तक की भूमिका वे ही निभाते नजर आते हैं। बात सिटी पार्क, कोचिंग हब, चौपाटियों की हो या विधायक आवास परियोजना की आयुक्त ने हर छोटी-छोटी डिटेल्स का ध्यान रखा। उनकी प्राथमिकता निर्माण के साथ रखरखाव पर भी पूरी तरह रही। उनकी चिन्तक डिजीनर पावर, हेल्थिंग नेचर, इन्फोटेक आइडियाज, डिजीनर और किसी भी काम को लिंगर ऑन नहीं करने की आदत इन्हें औरों से जुदा बनाती है। मुख्य अभियंता मनोज गुप्ता ने उद्घोषण देखकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की। इस अवसर पर फस्ट इंडिया के चैनल हेड जगदीश चंद्र, वरिष्ठ आईएस अधिकारी सुषमा अरोड़ा सहित कई अन्य राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि अरोड़ा पिछले 4 सालों से आयुक्त के पद पर कार्यरत थे और हाल ही उन्होंने ऐच्छिक सेवानिवृत्ति ली है। विगत 4 सालों के कार्यकाल में अरोड़ा ने ऐसे ऐतिहासिक कार्यों को पूरा किया, जो पिछले कई दशकों में भी नहीं हो पाए। आयुक्त के नेतृत्व में मंडल ने इस अल्पावधि में 171 हजार अधिशेष आवासों को ई-ऑक्शन, बुधवार नीलामी उत्सव, स्वर्ण जयंती उपहार योजना द्वारा बेच चुका है तथा ई-बिड सबमिशन, ह्यूअपनी दुकान-अपना व्यवसाय योजना के माध्यम से अभी तक कुल रिकॉर्ड 18 हजार 785 सम्पत्तियों का निस्तारण पूर्ण पारदर्शिता के साथ कर चुका है। इस दौरान आवासन मण्डल को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से भी नवाजा गया है जो किसी भी सरकारी संस्था के लिये अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। साथ ही इन 4 सालों में 35 अर्वाइड्स मंडल ने अपने नाम किये हैं। मंडल ने लगभग 4 वर्ष की अल्पावधि में अधिशेष आवासों के विक्रय, प्रीमियम सम्पत्तियों के ई-ऑक्शन, लीज मनी और बकाया किश्तों की वसूली से अपनी स्थाना से लेकर अभी तक का सर्वाधिक 4 हजार 637 करोड़ रूपए का राजस्व अर्जित किया और इन 4 वर्षों में मंडल का टर्न ओवर लगभग 10 हजार करोड़ रूपए तक पहुंच गया है।

आयुक्त की लीडरशिप में मण्डल ने समाज के सभी वर्गों के लिये जैसे शिक्षकों, प्रहरियों, ऑल इण्डिया सर्विस अधिकारियों, राज्य सरकार के अधिकारियों आदि के लिये योजनाएं शुरू कीं जिनके लगे लगभग 1500 आवासों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण होने वाला है। कुल मिलाकर पिछले 4 सालों में मंडल ने लगभग 17,000 पुराने आवास बेच दिए। लगभग 9500 नए आवास बनाकर अधिकांश का कब्जा दे दिया और लगभग 4500 और आवासों का निर्माण प्रारंभ करवा दिया है। मण्डल ने इन 4 वर्षों में 6 नए बाजार विकसित किये जिनमें प्रताप नगर में आधुनिक, राणा सांगा मार्केट, मानसरोवर में आरएचबी आतिथ मार्केट, श्री झूलेवाल तिब्बती मार्केट कोचिंग हब आर्केड व ग्रीनबुड शॉपिंग आर्केड शामिल हैं, जिससे आमजन को सखी सुविधा हुई। मण्डल को सशक्त करने के लिए एकट में संशोधन किया और मण्डल को अपनी सम्पत्तियों से अतिक्रमण हटाया और बकाया किश्तों/लीज राशि वसूल करने के लिए अधिकार दिए गए। मंडल द्वारा रिकॉर्ड 3 लाख वर्ग मीटर से भी अधिक भूमि अतिक्रमण मुक्त करायी गई जिससे मण्डल को 2 हजार 52 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

पवन अरोड़ा लीक से हटकर काम करने के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी मूल जिम्मेदारी निभाते हुये ना केवल आवासों का निर्माण किया है अपितु चौपाटियों, सिटी पार्क का निर्माण भी किया है। जयपुर में 2, कोटा में 1 चौपाटी, शानदार सिटी पार्क के साथ-साथ विश्व स्तरीय कोचिंग हब का निर्माण किया गया है। आवासन मण्डल द्वारा प्रताप नगर में वृहद स्तर पर 67 हजार स्वचालित मीटर भूमि पर देश का प्रथम कोचिंग हब विकसित किया गया है, जो कि किसी विदेशी यूनिवर्सिटी कैम्पस की तर्ज पर बनाया लगता है। राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा विश्वस्तरीय ह्यूसिटी पार्क का निर्माण कराया जिसको देखकर ऐसा लगता है कि हम सिंगापुर में खड़े हो। मंडल द्वारा जयपुर के प्रताप नगर, मानसरोवर और कोटा में भव्य चौपाटियों का निर्माण किया गया है। ये चौपाटियां पर्यटन के आकर्षण का बड़ा केन्द्र बन गई हैं, जिनमें वीकेंड पर हजारों लोग लजीज व्यंजनों का लुत्फ लेते हैं। ये सारे कार्य आवासन आयुक्त और उनकी टीम की प्रतिबद्धता दशार्ता हैं। निश्चित तौर पर मण्डल अब अपनी पुरानी छवि को तोड़कर एक नई दिशा में कार्य कर रहा है।

आवासन आयुक्त की लीडरशिप में मंडल की उपलब्धियां एक नजर

अधिशेष आवासों का निस्तारण :

मण्डल को विरासत में लगभग 20 हजार बिना बिके आवास मिले थे इनमें से मण्डल ने 15,976 अधिशेष आवासों को ई-ऑक्शन, खुली बिक्री योजना, बुधवार नीलामी उत्सव, स्वर्ण जयंती उपहार योजना, ई-बिड सबमिशन से पूर्ण पारदर्शिता के साथ बेचान किया, जिससे मण्डल ने 2 हजार 368 करोड़ रूपए का राजस्व अर्जित किया।

प्रीमियम सम्पत्तियों का निस्तारण :

मण्डल की बिखरी हुई अवस्था में पड़ी सम्पत्तियों का चिह्निकरण एवं 1,214 व्यावसायिक व 420 आवासीय सम्पत्तियों का नीलामी से विक्रय कर कुल 1634 सम्पत्तियों से मण्डल को 1 हजार 974 करोड़ रूपए का राजस्व अर्जित किया।

अपनी दुकान-अपना व्यवसाय योजना से निस्तारण :

अपनी दुकान-अपना व्यवसाय योजना के अन्तर्गत 27 वर्गमीटर तक के 1559 भूखण्ड/निर्मित दुकान व 27 वर्गमीटर से अधिक के 163 भूखण्ड/निर्मित दुकानों का विक्रय कर कुल 1722 सम्पत्तियों से मण्डल को 277 करोड़ रूपए का राजस्व अर्जित किया।

रिकॉर्ड राजस्व संग्रहण

महज 4 वर्ष की अल्पावधि में अधिशेष आवासों के विक्रय, प्रीमियम सम्पत्तियों के ई-ऑक्शन, लीज मनी और बकाया किश्तों की वसूली से



मण्डल का टर्न ओवर लगभग 10 हजार करोड़ रूपए तक पहुंच गया है।

मुख्यमंत्री जन आवास योजना:

मुख्यमंत्री जन आवास योजना के तहत जयपुर व भिवाड़ी में 7 प्रोजेक्ट मण्डल ने हाथ में लिये हैं, जिनके लगे लगभग ढाई हजार फ्लैट्स का कब्जा हम आगामी एक माह में सुपुर्द कर देंगे तथा लगभग 2 हजार फ्लैट्स का कब्जा सितम्बर माह तक दे दिया जावेगा।

छोटे शहरों में नवीन आवासीय योजनाएं:

मण्डल द्वारा वर्ष 2021 में 15 योजनाओं में 2967 आवासों का निर्माण पूर्ण कर कब्जा सुपुर्द कर दिया गया। साथ ही लगभग 750 आवास निर्माणाधीन एवं वर्ष 2023 में 27 योजनाओं का शुभारम्भ किया गया जिनमें 4569 आवासों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

प्रमुख वृहद परियोजनाएं:

मण्डल द्वारा लीक से हटकर वृहद स्तर पर देश का प्रथम कोचिंग हब, विश्वस्तरीय सिटी पार्क व फाउन्टेन स्क्वायर, फैमिली गेदरिंग के लिये प्रताप नगर व मानसरोवर में जयपुर चौपाटियों, कोटा की कुन्हाडी आवासीय योजना में कोटा चौपाटी, माननीय विधायकगणों के लिये कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान, एन.आर.आई. क्लब-21, 125 ओपन एयर जिम की स्थापना और इंदिरा गांधी नगर, जयपुर में 60 मीटर चौड़े गंगा मार्ग का सुदृढीकरण एवं सौन्दर्यकरण भी किया गया।

मण्डल की प्रमुख आवासीय परियोजनाएं:

प्रताप नगर में राज्य के शिक्षकों एवं प्रहरियों के लिये मुख्यमंत्री शिक्षक एवं प्रहरी आवासीय योजना, एआईएस रेजीडेन्सी फेज- प्रथम एवं द्वितीय, माननीय विधायकगणों के लिये विधायक आवास परियोजना, प्रताप नगर में स्टूडियो अपार्टमेंट, एनआरआई स्काईपार्क, एस.एस. रेजीडेन्सी व एमएनआईटी के फैकल्टी हेतु योजना बनाई गई।

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त अवार्ड:

आवासन मण्डल को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से भी नवाजा गया है जो किसी भी सरकारी संस्था के लिये अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। साथ ही इन 4 सालों में 35 अर्वाइड्स/प्रशंसा पत्र मंडल ने अपने नाम किये हैं।

